तापमान

अधिकतम 44 .5 डिग्री

न्यूनतम 21 .5 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 18 मई 2025

12 खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीतने वाली हरनूर सम्मानित

12 नन्हे छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मचाई धूम

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL · उत्तिष्ठ · KURUKSHETRA · ARISE

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL

KURUKSHETRA

2024-25

MPPS CONTINUES ITS GLORIOUS TRADITION OF ACADEMIC EXCELLENCE

ACCOLADES TO OUR DISTRICT TOPPERS!!

1st in the District · 2nd in the District · 1st in the District

MANITA SINGH 99.4% CLASS X

ADITYA SHARMA 99.2% CLASS X

BHAWNA 98.6% XII (COMM.)

KUDOS TO OUR SCHOOL TOPPERS!!

MANITA SINGH 99.4% CLASS X

BHAWNA 98.6% XII (COMM.)

ANGEL 95.6% XII (NON-MED.)

KESHAV VASHIST 95.6% XII (NON-MED.)

SANCHI 95% XII (MEDICAL)

KARISHMA 91% XII (HUMANITIES)

CONGRATULATIONS CHAMPS! KEEP THE MOMENTUM GOING!

MANITA SINGH 99.4% · ADITYA SHARMA 99.2% · ADITI 98.4% · VARDAN TANWAR 98.2% · JASKIRAN 98% · RIDDHI 98% · GURNEET KAUR 97.8% · HARJOT KAUR 97.8% · ANVI GARG 97.6% · JITEN SADYAN 97.6% · PRIYANJAL 97.6% · TANVI 97.4% · YUVIKA SINGH 97.2% · KRISHTAN PARI 96.8% · SAMAYRA 96.8% · VARUN 96.8%

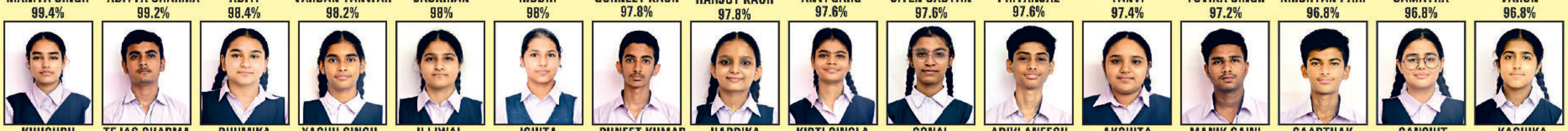

KHUSHBU 96.6% · TEJAS SHARMA 96.6% · BHUMIKA 96.4% · YASHU SINGH 96.4% · UJJWAL 96.2% · ISHITA 96% · PUNEET KUMAR 96% · HARDIKA 95.8% · KIRTI SINGLA 95.8% · SONAL 95.8% · ADIVI ANEESH 95.6% · AKSHITA 95.6% · MANIK SAINI 95.6% · SAARTHAK 95.6% · SANCHIT 95.6% · KASHIKA 95.4%

SHEETAL 95.4% · ANANYA MODI 95% · BHUMIKA 95% · DAKSH MEHLA 95% · PALAK 95% · YASHPREET 95% · YUVRAJ SINGH 95% · KANAK 94.8% · ADITI BHARGAV 94.6% · SHUBHANGI 94.6% · VANSHIKA 94.6% · ARYAN 94.2% · CHESTA 94.2% · HARSHVI 94.2% · SANSKRITI 94.2% · TANISH SAINI 94.2%

YASH MOR 94.2% · ABHAY DEVGAN 94% · TANVI 94% · ANGEL 93.8% · ANGEL DHANDA 93.8% · ANSHIKA 93.8% · ARMAAN 93.8% · SHIVANSH 93.6% · MANNAT SINGH 93.4% · NISHCHAY SAINI 93.4% · PARV KUMAR 93.2% · TEJASVANI 93.2% · AAYAN 93% · ANSHIKA 93% · PRANSHU 93% · KHUSH 92.8%

HARKIRAN KAUR 92.6% · PAVNI 92.6% · YASHIKA 92.6% · PREET 92.4% · TANISH 92.4% · ADITI 92.2% · ANUSHKA VERMA 92% · AARUSHI 91.8% · MANAN KHERA 91.8% · OJAS BOORA 91.8% · RUDRANSH 91.8% · SHIVAM KUMAR 91.8% · SONAM 91.8% · VANSHIKA 91.8% · DEVANSH 91.6% · LAVYA PANCHAL 91.6%

SAMRIDHI SINGH 91.6% · SHIVANSH 91.6% · MRIDUL 91.4% · ARMAAN SAINI 91% · ISHAN ANAND 91% · NAVNEET 91% · SALONI 90.8% · AYUSH SIROHI 90.6% · DIVYA 90.6% · KANIKA 90.6%

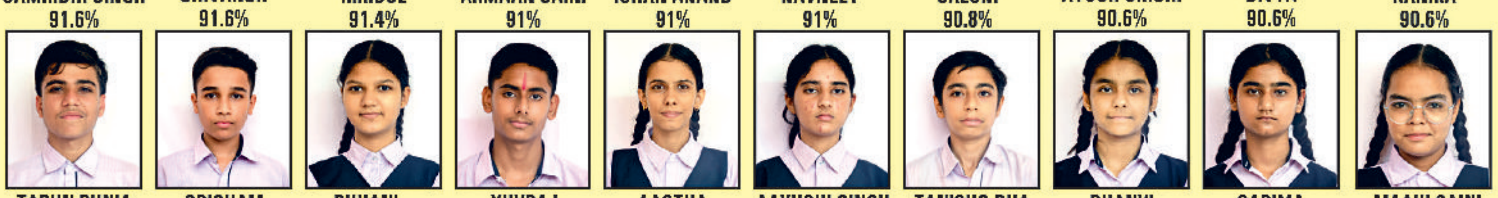

TARUN PUNIA 90.6% · GRISHAM 90.4% · RUHANI 90.4% · YUVRAJ 90.4% · AASTHA 90.2% · AAYUSHI SINGH 90.2% · TANISHQ DUA 90.2% · DHANVI 89.6% · GARIMA 89.6% · MAAHI SAINI 89.6%

RESULTS AT A GLANCE-X

STUDENTS APPEARED-305

% Range	No. of Students
94.6-100	43
89.6-94.4	100
75 & Above	229

SUBJECTS	MARKS	STUDENTS
ENGLISH	99	MANITA SINGH
HINDI	99	VARDAN TANWAR
MATHEMATICS	100	ADITYA KARAMBIR SHARMA, ANVI GARG, JITEN SADYAN, MANITA SINGH, VARDAN TANWAR
SCIENCE	100	ADITYA KARAMBIR SHARMA, GURNEET KAUR, RIDDHI
SOCIAL SCIENCE	100	RIDDHI
SANSKRIT	100	JITEN SADYAN
PUNJABI	100	SAMAYRA
ARTIFICIAL INTELLIGENCE	100	ABHAY DEVGAN,ADITI,ADITYA KARAMBIR SHARMA,ADIVI ANEESH,ANGEL,BHUMIKA,BHUMIKA,HARDIKA,HARJOT KAUR,HARSHVI ARORA,ISHITA,KHUSH CHAUHAN,MANIK SAINI,MANITA SINGH,MUDIT,NISHCHAY SAINI,PRATYAKSH,PUNEET KUMAR,SAARTHAK SAINI,SONAL,SONAM,TANISH SAINI,VANSHIKA,VANSHIKA PANWAR,VARDAN TANWAR,VARUN,YASHIKA,YASHPREET,YUVIKA SINGH
Food Production	100	KRISHTAN PARI,SHREYA KASHYAP, TANISH, TANISHKA

LEGACY REDEFINED, EXCELLENCE REWRITTEN !!

RESULTS AT A GLANCE-XII

STUDENTS APPEARED-213

% Range	No. of Students
94.6-100	10
89.6-94.4	36
75 & Above	141

SUBJECTS	MARKS	STUDENTS
ACCOUNTANCY	100	GURSEV KAUR
SANSKRIT	100	BHAWNA
AI	100	ANJALI, RADHIKA
CA	100	AKSHITA SHARMA, ANSHIKA KAUSHIK, ISHIKA, MANPREET KAUR, TAMANNA, VENUS
ENGLISH	99	ANJALI, DIVYA, MUSKAAN, PALAK
BUSINESS STUDIES	99	BHAWNA
ECONOMICS	99	GUNSEHAJ SINGH
MATHEMATICS	99	RISHABH SAINI
PHYSICAL EDUCATION	99	KHWAISH
CHEMISTRY	98	PALAK, TANISH MEHLA
BIOLOGY	97	SANCHI
PHYSICS	96	KESHAV VASHISHT

JEE MAINS EXTRAVAGANZA-APRIL 2025

DHRUV CHHABRA 99.64 PERCENTILE · SAURABH ROHILLA 99.41 PERCENTILE · KESHAV VASHISHT 99.36 PERCENTILE · PALAK 99.21 PERCENTILE · DEEPAK 99.13 PERCENTILE

AARYAVEER 98.82 PERCENTILE · YATENDER 98.73 PERCENTILE · KUSHAL SHARMA 98.61 PERCENTILE · ADITYA SHARMA 97.11 PERCENTILE · RISHABH SAINI 96.92 PERCENTILE

MUSKAAN 96.55 PERCENTILE · SHANTANU CHAUDHARY 95.39 PERCENTILE · KRISHAN RANA 95.24 PERCENTILE · DIVAYANSH 86.96* PERCENTILE

*CATEGORY PERCENTILE.

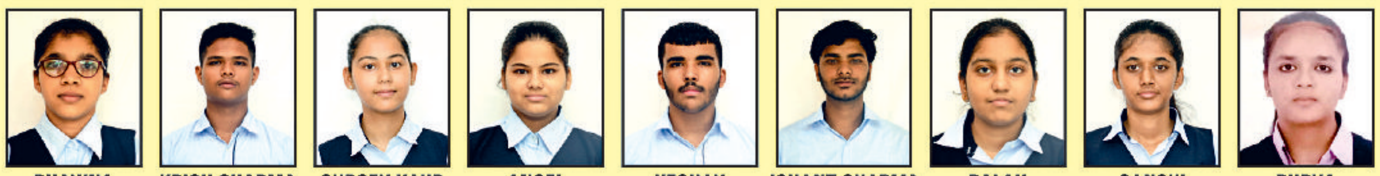

BHAWNA 98.6% · KRISH SHARMA 96% · GURSEV KAUR 95.8% · ANGEL 95.6% · KESHAV 95.6% · ISHANT SHARMA 95.4% · PALAK 95.4% · SANCHI 95% · PURVA 94.8%

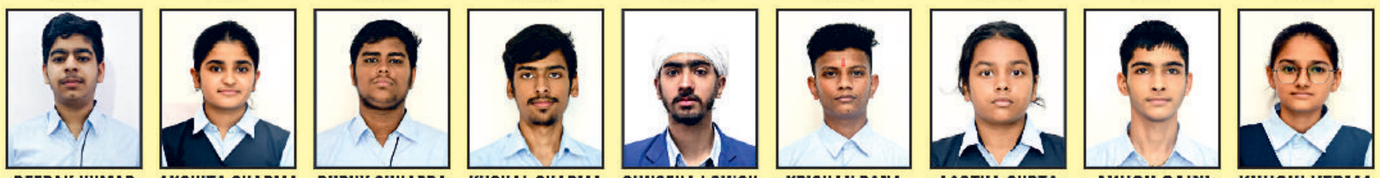

DEEPAK KUMAR 94.6 · AKSHITA SHARMA 94.4% · DHRUV CHHABRA 94.2% · KUSHAL SHARMA 94.2% · GUNSEHAJ SINGH 93.8% · KRISHAN RANA 93.8% · AASTHA GUPTA 93.6% · AYUSH SAINI 93.6% · KHUSHI VERMA 93%

AMAN KUMAR 92.8% · ANJALI 92.6% · SAURABH ROHILLA 92.6% · GURSEWAK 92.2% · MUSKAAN 92.2% · RISHABH SAINI 91.8% · RHYTHEM 91.8% · VISHAL TAANK 91.8% · TRISHIKA 91.2%

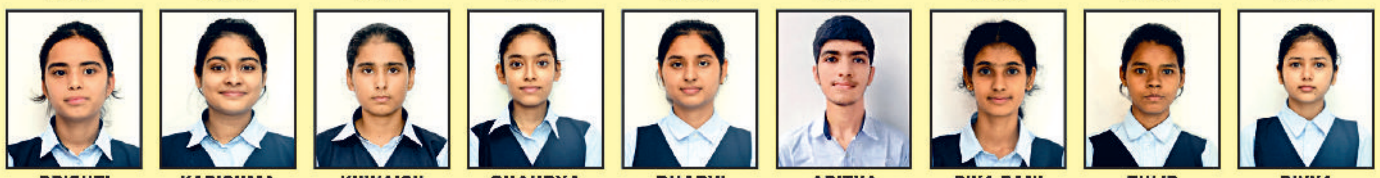

DRISHTI 91% · KARISHMA 91% · KHWAISH 90.6% · SHAURYA 90.6% · DHARVI 90.4% · ADITYA 90% · RIYA RANI 90% · TULIP 90% · DIVYA 89.8%

Congratulations to the successful students and their proud parents!

Principal

खबर संक्षेप

जैन चैरिटेबल हस्पताल में जल्द सीटी स्कैन

करनाल। इंद्री रोड स्थित श्री आत्म मनोहर जैन चैरिटेबल हस्पताल में श्री घंटाकर्ण महावीर देवता के विशेष कृपा दिवस मंगलवार के दिन प्रति बार मुफ्त ओ पी डी तथा फिजियोथैरेपी सुविधा उपलब्ध रहती है और लैब टेस्ट, दांतों के उपचार, एक्स-रे, सी टी स्कैन, एमआरआई, ईको, ईसीजी पर 50% छूट सभी को दी जाती है। हस्पताल प्रबंधन की ओर से प्रधान सुरेंद्र गुप्ता दुनार, उपप्रधान महेश सुखीजा (आर.के. एसोसिएट्स) ,सचिव अजय गोयल तथा कोषाध्यक्ष प्रशांत गोयल (प्रभात) ने बताया कि ईश्वीय कृपा से शीघ्र ही 32 स्लाइस कीसीटी स्कैन मशीन, कीमो थेरेपी कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों के दिशानिर्देशन में प्रारंभ की जा रही है।

एस डी बाल मंदिर के छात्रों ने परचम लहराया

करनाल। सनातन धर्म बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ जो शत प्रतिशत रहा इसमें 38 बच्चों ने परीक्षा दी । इनमें से 17 बच्चों ने 80-90% से अधिक अंक प्राप्त किए तथा बाकी सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री सुरेश पुरी जी , प्रबंध समिति के सभी सदस्यों तथा प्रधानाचार्य धनेश चंद्र डिमरी जी ने सभी विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों को बधाई दी ।

आधुनिक जीवनशैली से प्रजनन क्षमता प्रभावित

करनाल। बदलती जीवनशैली और असंतुलित दिनचर्या का सीधा असर पुरुषों और महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर पड़ रहा है। देर से विवाह, पौष्टिक आहार की कमी, मोटापा, शारीरिक गतिविधियों की कमी, नशे की लत, धूम्रपान और अल्कोहल जैसी आदतें महिलाओं और पुरुषों दोनों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रही हैं। यदि के प्रति सचेत नहीं हुए, तो भविष्य में बांझपन का खतरा और भी बढ़ सकता है। यह बात निजी होटल में लगे शिविर के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए डॉक्टरों की टीम ने कही। फोर्टिस ब्लूम आईवीएफ सेंटर की प्रख्यात गायनेकोलॉजिस्ट एवं आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. पूजा मेहता ने कहा कि खानपान की आदत को सुधार कर बांझपन के खतरे को कम किया जा सकता है। दूसरा विकल्प: आईवीएफ की अत्याधुनिक तकनीक है, जिसकी मदद से संतान प्राप्ति संभव हो रही है, लेकिन इसके सफल परिणाम के लिए आधुनिक लैब सुविधाएं और सटीक निदान आवश्यक है।

दो संपर्क सड़कों का उद्घाटन, एक का शिलान्यास

सड़कों का पर्याय है तरक्की : कल्याण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल/घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि सड़कें तरक्की का पर्याय है। एक समय ऐसा था जब हलके की खस्ताहाल सड़कों पर टांकी लगाने की जहमत भी नहीं उठाई जाती थी। लेकिन पिछले 11 सालों में तस्वीर बदली है। न केवल हलके में खस्ताहाल सड़कों की हालत सुधारी गई है बल्कि लोगों की जरूरत अनुसार नई सड़कें भी मंजूर की गई है।

इसी कारण आज हलके में नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं जिसकी बदौलत रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। कल्याण आज हलके के गांव नसीरपुर में यमुना बांध तक संपर्क सड़क के उद्घाटन के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। 770 मीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर 38 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसका निर्माण हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा किया गया है। इससे पहले उन्होंने खिराजपुर में यमुना बांध तक की संपर्क सड़क का शिलान्यास किया। इंटरलाकिंग पेवर ब्लाक की इस सड़क पर 77 लाख 50 हजार खर्च होंगे। इसकी लंबाई 14 सौ मीटर है। उन्होंने सरफाबाद माजरा-रसूलपुर कलां संपर्क सड़ का भी उद्घाटन किया। करीब एक किमी लंबी इस सड़क पर 51 लाख खर्च हुए। उन्होंने सरफाबाद माजरा में गुरू ब्रह्मानंद आश्रम में बनाए जाने वाले हॉल का भी शिलान्यास किया। इसके निर्माण पर दस लाख खर्च होंगे।

खिराजपुर में तिरंगा यात्रा

गांव खिराजपुर में सड़क का शिलान्यास करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इसमें शामिल ग्रामीणों ने भारत मां और वंदे मातरम के जयकारे लगाए। सभी ने हाथों में देश की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा ले रखा था। कल घरौंडा में भी सुबह साढ़े आठ बजे रेलवे स्टेशन के नजदीक तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए मोदी सरकार ने गंभीरता से किया कार्य

जिला कर बार एसो करनाल और हरियाणा टैक्स बार एसोसिएशन के द्वारा जीएसटी व आयकर पर कर संगम 2025 सेमिनार का आयोजन

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि देश की तरक्की का आकलन अर्थव्यवस्था से होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए गंभीरता से कार्य किया है। टैक्स व आयकर से नियमों का सरलीकरण करके बड़े बदलाव किए हैं। जिस व्यापारी वर्ग के साथ-साथ आम लोगों को भी बड़ी राहत मिली है । हरविन्द्र कल्याण आज स्थानीय होटल में जिला कर बार एसोसिएशन करनाल और हरियाणा टैक्स बार एसोसिएशन के द्वारा जीएसटी व आयकर पर कर संगम 2025 के नाम से आयोजित सेमिनार के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

शुगर मिल विश्राम गृह में सुनीं आमजन की समस्याएं

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने करनाल के शुगर मिल विश्राम गृह में आमजन की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और समस्याओं का समाधान करवाया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जनता से जुड़ी सार्वजनिक समस्याओं के समाधान प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। वह स्वयं समय-समय पर इनकी मॉनिटरिंग करते हैं और जहां जरूरत लगे, आवश्यक दिशा निर्देश भी देते हैं।

23 को लाडवा पहुंचने की अपील

घरौंडा। एक समय ऐसा था जब प्रदेश में बड़े स्तर पर संत-महात्माओं की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करना आसान नहीं था। सरकार ने लोगों की भावनाओं को समझते हुए 2015 में राज्य स्तर पर संत-महात्माओं की जयंती मनाने का निर्णय लिया। यह बात हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा की विग कालोनी के कम्युनिटी सेंटर में महर्षि कश्यप जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही।

खबर संक्षेप

विधायक आनंद ने कलामपुरा में सुनीं समस्याएं

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद शनिवार को गांव कलामपुरा में जन समस्याएं सुनने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश देकर समस्याओं का समाधान करवाया। गांववासियों ने बिजली विभाग से जुड़ी समस्याओं को विधायक जगमोहन आनंद के समक्ष रखा। इस पर उन्होंने तत्काल बिजली विभाग के एसई को इन समस्याओं का तत्काल निपटारा करवाने के लिए सोमवार को दो अधिकारियों की गांव में ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। ताकि गांववासी सीधे बिजली विभाग के अधिकारियों के समक्ष समस्याएं रख सकें और उनका निवारण हो सके। उन्होंने जीएम रोडवेज को भी गांव में आने वाली बस को लेकर निर्देश दिए। गांव में बस किसी दिन आ जाती है, किसी दिन नहीं पहुंचती है। ऐसे में जीएम रोडवेज सुनिश्चित करें कि गांव में प्रतिदिन बस पहुंचे।

गांव कलामपुरा में निकाली गई तिरंगा यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की प्रचंड सफलता के बाद लगातार तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को गांव कलामपुरा में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद शामिल हुए। इस अवसर पर गांव काछवा के सरपंच दीपक कुमार, बिट्टू, जोगिंद्र सिंह, बंसी लाल, राजबीर खोखर, मेहर सिंह, रणजीत सिंह, देवेंद्र गुजर्र पुण्डरक व बड़ी संख्या में गांववासी मौजूद रहे।

प्रताप पब्लिक स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी

तरावड़ी। प्रताप पब्लिक स्कूल में एक भव्य इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया, जो नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठ एवं अनुशासन का प्रतीक बनकर उभरा। इस गरिमामय अवसर पर छात्र समुदाय को उनके नेतृत्व के उत्तरदायित्व सौंपे गए तथा उन्हें विद्यालय के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस समारोह में कक्षा 12 (विज्ञान संकाय) के छात्र दिशांत को हेड बॉय तथा कक्षा 12 (मानविकी संकाय) की छात्रा चक्षु को हेड गर्ल के रूप में नियुक्त किया गया। इनके अतिरिक्त, अन्य छात्र परिषद पदाधिकारियों को भी उनके दायित्व प्रदान किए गए। सभी चयनित छात्र-छात्राओं को विद्यालय की सम्मानित निदेशिका, श्रीमती पिंथी चौधरी द्वारा बैज प्रदान किए गए, जो नेतृत्व की प्रतीकता के साथ-साथ उत्तरदायित्व का बोध भी कराते हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सच्चे नेता में नेतृत्व की भावना के साथ-साथ अनुशासन, ईमानदारी और सेवा-भावना का होना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विभिन्न सदस्यों द्वारा अनुशासन संबंधी लघु प्रस्तुतियाँ एवं प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। छात्र नेताओं ने विद्यालय के नियमों का पूर्णतः पालन करने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने सहपाठियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनने की शपथ ली। पूरा आयोजन अत्यंत गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जहाँ अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास की झलक स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी।

सोहाना गांव में चौथे दिन भी धरना जारी

करनाल। गांव सोहाना के रकबे में निर्माणाधीन करनाल रिंग रोड़ पर इंटर चेंज मार्ग बनाए जाने की मांग को लेकर शनिवार को धरना चौथे दिन में प्रवेश कर गया है। भारतीय किसान यूनियन(भाकियू) के बेनर तले यह धरना दिया जा रहा है। ग्रामीणों के विरोध के चलते करनाल रिंग रोड़ का निर्माण कार्य भी लगातार चार दिनों से ठप्प पड़ा हुआ है। कई गांव के किसान व ग्रामीण दिनरात धरना देकर शांतिप्रिय तरीके अपनी आवाज को बुलंद्व कर रहे है। अपनी मांग को मनवाने के लिए ग्रामीण अडिग़ है। शनिवार को धरने की अध्यक्षता भाकियू जिला के प्रभारी नेकीराम व वरिष्ठ किसान नेता सतबीर सिंह मढाण ने की। इस मौके पर प्रदेश संगठन मंत्री शाम सिंह मान, हरियाणा प्रभारी महताब सिंह कादियान विशेष तौर पर मौजूद थे। धरने का संचालन कर रहे भाकियू प्रवक्ता व किसान नेता सुरेंद्र सागवान ने कहा कि 18 मई को सुबह 11 बजे आंदोलन को नई दिशा देने के लिए जिला स्तर के भाकियू कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की आपात बैठक धरना स्थल पर बुलाई गई है। इस अवसर पर इंद्री खंड प्रधान दिलावर सिंह डबकोली, निसिंग खंड महासचिव राजेंद्र राणा, पूर्व सरपंच हरी सिंह, बनवारी जोगी, रामपाल शर्मा, वेद प्रकाश कश्यप, सुरज लाठर, अशोक फूंसगढ, जगबीर मान, यशपाल शर्मा, रामकुमार शर्मा, राजेंद्र मान घोघड़ी पुर, चांदवीर बदरान, बबलू सोहाना सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

- धरना स्थल पर भाकियू ने बुलाई जिला स्तरीय बैठक आज

सात प्रतिशत ब्याज का किसानों ने किया विरोध

करनाल। हरियाणा में फसली ऋणों पर सात प्रतिशत ब्याज वसूलने का फरमान जारी कर दिया गया है। अभी तक फसली ऋणों पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता था। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने सरकार के इस फैसले का पुरजोर विरोध किया है। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी किसानों के कितने हितेषी है इसका खुलासा एक बार फिर हो गया है। भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुणी करने का वादा करके सत्ता में आई थी। सत्ता हाथ लगते ही भाजपा नेता यह वादा भूल गए। इसके विपरीत किसानों को परेशान करने वाली नीतियां बनाई गई।

वार्षिक नवीनीकरण के लिए प्रीमियम स्वतः डेबिट होगा: प्रबंधक

करनाल। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि वार्षिक नवीनीकरण प्रीमियम प्रधान मंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना के लिए 436 रुपये और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लिए 20 रुपये का 25 मई 2025 से 1 जून 2025 के अन्दर स्वत खाते से डेबिट होगा।होंने बताया कि वित्तीय सेवा प्रभाग, वित्त मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार यह प्रीमियम पात्र ग्राहकों के नामित बैंक खाते में उपलब्ध शेष राशि के आधार पर स्वतः डेबिट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे पॉलिसी धारकों को अपने खातों में पर्याप्त शेष राशि रखने के लिए जागरूक करें।

तलवारबाजी में निकिता ने जीता गोल्ड

करनाल। बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के तहत तलवारबाजी, टीम इवेंट प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला हरियाणा और महाराष्ट्र के बीच हुआ। जिसमें हरियाणा से निकिता चौहान ने तलवारबाजी में दमदार फुर्तीले मूव्स से सभी को चौंकाते हुए फाइनल मुकाबले में जीत हासिल की और स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। निकिता हिसार के गांव मिर्जापुर की रहने वाली है। उनके पिता मनोज कुमार पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात है। निकिता माता-पिता के साथ पुलिस लाइन करनाल में रह रही है। निकिता तलवारबाजी में कई मेडल जीत चुकी है। छोटी बहन वंशिका भी तलवारबाजी की खिलाड़ी है और कई मेडल अपने नाम कर चुकी है।

गीता-बबीता फौगाट दोनों बहनों की आइडल

चाचा विजय चौहान ने बताया कि निकिता 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही है और वंशिका 11वीं कक्षा में है। निकिता व वंशिका कुश्ती खिलाड़ी गीता और बबीता फौगाट को अपनी आइडल मानती है। निकिता और वंशिका रोजाना तीन से चार घंटे तलवारबाजी का अभ्यास करती है। दोनों बहने बड़े ही फुर्तीले मूव्स से लोगों को हैरान कर देती है।

प्रयत्न संस्था करनाल के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने लिया हलवाना डेरा सिकलीगर में नुकसान का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

इंद्री के हलवाना डेरा सिकलीगर में पिछले दिनों दो मकानों में अचानक भयानक आग लगने के कारण घर और सारा सामान जल कर राख हो गया था। सूचना मिलने पर प्रयत्न संस्था की टीम ने गांव का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मिले। टीम ने देखा कि घर में रखा सारा सामान अनाज, बर्तन, कपड़े, चारपाई, बच्चों की स्कूल की साईकिल, ड्रेस आदि सब कुछ जला पड़ा था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि कुछ दिन बाद घर में लडकी की शादी होने वाली थी जिसके लिए कुछ सामान इकट्ठा किया हुआ था, कुछ नकद रुपए भी रखे हुए थे वे भी जलकर राख हो गए। ये परिवार लोहे के तसले व प्लास्टिक की कुर्सियों आदि की फेरी लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। प्रयत्न संस्था करनाल के जिला कार्यक्रम अधिकारी राममेहर ने इस घटना को लेकर कहा कि यह एक दुखद घटना है। यह गांव प्रयत्न संस्था का कार्य क्षेत्र भी है, इस घटना से परिवार बेघर हो गए हैं। और स्थानीय प्रशासन से मांग करते हैं कि इनके पुनर्वास को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवाएं। ताकि पीड़ित महिलाओं, बच्चों को सुरक्षा मिल सके। टीम विजिट के दौरान प्रयत्न संस्था के बादल व हरमीत सिंह साथ रहे।

इंद्री। गांव हलवाना डेरा सिकलीगर मे नुकसान का जायजा लेते प्रयत्न संस्था के जिला कार्यक्रम अधिकारी राम मेहर ।

तरावड़ी: 10वीं के परीक्षा परिणाम में छाया गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छात्रों में खुशी

तरावड़ी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल तरावड़ी के 21 बच्चों ने टॉप किया। 10वीं से सतविंदर 95 प्रतिशत, गुरलीन 93 प्रतिशत, मनप्रीत 91 प्रतिशत, हर्ष 91 प्रतिशत, युवराज 91 प्रतिशत, सुखप्रीत 90 प्रतिशत, युक्ति,अंजलि 89 प्रतिशत, भावना 88 प्रतिशत, प्रभजोत 88 प्रतिशत, रौनक 89 प्रतिशत, स्वाति 88 प्रतिशत, विक्रांत 88 प्रतिशत, विशाल 89 प्रतिशत, सार्थक मिश्रा 85 प्रतिशत अंक लेकर मेरिट में स्थान प्राप्त किया और विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया । विद्यालय के प्रबंधक बालकृष्ण त्रिपाठी एवं प्रधानाचार्या रागिनी राय जी ने मेरिट लेने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को बधाई दी तथा बच्चों एवं अभिभावकों का मुंह मीठा कराया उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मौके पर निर्देशक सुरेश चंद, डिंपल त्रिपाठी ,कर्मजीत कौर ,राजवीर , पायल एवं संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

विधायक दे रहे कश्यप जयंती समारोह का निमंत्रण

इंद्री। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने इंद्री विधानसभा क्षेत्र के गांव धौलगढ़ , दरड़, संगोहा, संगोही, कमालपुर रोड़ान, चुरनी जागीर,बीबीपुर जाटान, समौरा व खेड़ी मानसिंह में पहुंचकर लोगों को आगामी 23 मई को लाडवा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर परिवार सहित पहुंचने के लिए आमंत्रित किया। गावों में पहुंचने पर जनता ने विधायक का जोरदार स्वागत किया। विधायक ने कहा कि इस समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

एक सौ चार बुजुर्गों की सेहत जांची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

स्वदेशी जागरण मंच के वरिष्ठ नागरिक आयाम के स्वास्थ्य प्रकल्प के अंतर्गत गाँव बलड़ी में वृद्धाश्रम केंद्र चौपाल में जिला स्वास्थ्य विभाग करनाल के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 104 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच विशेषज्ञ टीम (स्त्री रोग विशेषज्ञ,बाल रोग विशेषज्ञ व दंत रोग विशेषज्ञ) के द्वारा की गई व निःशुल्क दवाईयां उपलब्ध करवायी गयी।जाँच में 19 मधुमेह रोगी के अतिरिक्त 10 नए मधुमेह रोगी व 11 उच्च रक्तचाप से पीड़ित पाए गए। शिविर में विशेष रूप से सहयोग डॉ कृष्ण कुमार चावला डॉ गोगिया जी डॉ श्वेता दुआ डॉ हिमानी व डॉ उर्वशी के द्वारा प्राप्त हुआ। मलेरिया कर्मचारी श्री मोहन जी के द्वारा बलडी स्कूल से आए विद्यार्थियों को व अन्य ग्रामीणों को डेंगू के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य शिविर में एएनएम रजनी, रीना और कुसुम, स्टाफ नर्स भावना जी, लैब टेक्नीशियन राहुल जी, आशा वर्कर सरला और रेखा, सहायक मनीष आंगनवाड़ी व आशा कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा। शिविर में राजकीय उच्च विद्यालय बलडी के विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया जिसमें उन्हें साइबर क्राइम से बचने के लिए श्री आर के मिगलानी के द्वारा जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार से अनावश्यक लिंक्स को न खोलें व डिजिटल क्राइम से संबंधित घटनाओं से स्वयं को व अपने परिवार जनों को बचा सकते हैं। स्वास्थ्य शिविर में स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता भूषण गोयल , डा. श्रुति कंबोज,श्रीमती मीनू चावला दिनेश छाबड़ा , अनिल रेल्हान, गीता प्रकाश, हंस गुलाटी, अनिल मग्गू जी, नरेश चावला , आरके शर्मा, संजीव कुमार व राजकुमार उपस्थित रहे।

श्री ब्रह्मर्षि विद्या मंदिर में स्कूल लीडर्स मीट

तरावड़ी। स्कूलों के लीडर्स मीट मे भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

तरावड़ी। श्री ब्रह्मर्षि विद्या मंदिर तरावड़ी में शहर के सभी सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल के लिए सीबीएसई बोर्ड के हब ऑफ लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य स्कूलों को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए संगठित करना और सभी स्कूलों में बच्चों के विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी का स्वागत तिलक लगाकर किया । स्कूल निर्देशक डॉ राकेश शर्मा ने सभी स्कूल प्रमुखों का स्वागत पुश गुच्छ देकर किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इससे स्कूलों को संसाधन साझा करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और साझा लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। इस मीटिंग की अगुवाई रवि शर्मा ने की। सभी स्कूल प्रमुखों ने विचार साझे किए।

हेड कांस्टेबल की बेटी उड़ाना चाहती है फाइटर प्लेन

- मिहिर बैनर्जी की तैयार की बेटी दिशु का चयन राष्ट्रीय सैनिक स्कूल चेहल में
- हरियाणा पुलिस में कार्यरत है दिशु का पिता सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा पुलिस में प्रधान आरक्षक सुरेंद्र कुमार की बेटी दिशु सैनी का का चयन राष्ट्रीय सैनिक स्कूल चहल में हुआ हैं। करनाल ही नहीं आसपास के क्षेत्र से पहली बेटी हैं जिसका चयन राष्ट्रीय सैनिक स्कूल में हुआ है। उसका भाई भी कुंजपुरा सैनिक स्कूल में पढ़ रहा है। दिशु बड़े होकर भारतीय वायु सेना में फाइटर प्लेन का पायलट बना चाहती हैं। वह फाइटर प्लेन की महिला पायलेट से प्रभावित हैं। उसने करनाल ही नहीं देश के जाने माने साक्षात्कार विशेषज्ञ मिहिर बैनर्जी से सफलता के लिए टिप्स लिए। मिहिर बैनर्जी सेना में भर्ती होने के लिए बच्चों को प्रेरित करते रहते हैं। दिशु की तैयारी भी उन्होंने करवाई। अब तक उनके द्वारा तैयार बच्चे सैनिक स्कूलों और रक्षा अकादमी में जा चुके हैं। उनके द्वारा तैयार बच्चे भारतीय पुलिस सेवा भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय राजस्व सेवा के साथ विभिन्न राज्यों की न्यायिक सेवाएं, राज्य प्रशासनिक सेवा तथा पुलिस सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वह साक्षात्कार की तैयारी करवाते हैं। मिहिर वैनर्जी ने बताया कि वह सेना में जाना चाहते हैं। उनका सपना पूरा नहीं हो पाया वह अब सेना के लिए बेहतर अफसर तैयार कर अपने सपने को पूरा करना चाहते हैं। दिशु को तैयारी उसकी माता ने करवाई। उसकी माता ने ग्रहणी होने के बाद भी अपनी बेटीको सैनिक स्कूल के लिए तैयार किया। बेटा भी देश की रक्षा को तैयार है।

भारत-पाक के बीच युद्ध की समाप्ति से लाखों पंजाबियों की जान बच गई: हरजीत सिंह विर्क

- श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष सुकराने की प्रार्थना की

करनाल। करनाल के गुरुद्वारा डेरा कार सेवा में शिरोमणि अकाली दल अमृतसर की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष हरजीत सिंह विर्क के नेतृत्व में सैकड़ों शांतिप्रिय लोगो ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने तथा लाखों पंजाबियों की जान बचाने के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का धन्यवाद किया तथा सभी की भलाई के लिए प्रार्थना की। हरियाणा इकाई के अध्यक्ष हरजीत सिंह विर्क ने कहा कि यदि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध होता तो लाखों पंजाबी मारे जाते चाहे पश्चिमी पंजाब हो या पूर्वी पंजाब दोनों तरफ लाखों लोग मारे जाते।

यह रहे मौजूद: मौके पर शिरोमणि अकाली दल अमृतसर मान ग्रुप की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष हरजीत सिंह विर्क, जगदीप सिंह विर्क, अमृत पाल सिंह, हरदीप सिंह, मेजर सिंह मल्ली, हरविंदर सिंह, बाबा कुलविंदर सिंह जत्थेदार चौरियां वाले, गुरजिंदर सिंह फौजी, सुखविंदर सिंह, सुखदेव सिंह कंबोज, सुच्चा सिंह, अमरजीत सिंह हाबड़ी, गुरजीत सिंह व संगत मौजूद थी।

विशेषज्ञों की राय दिला सकती है छुटकारा, सतर्क रहना ज़रूरी

प्री-मानसून की पहली फुहार ला सकती है बीमारियों की बौछार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- विशेषज्ञ ने किया आगाह, पानी और मच्छरों से जुड़ी बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

प्री मानसून की हल्की फुहार जहां गर्मी से राहत देती हैं, वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे बीमारियों के लिहाज से सावधानी का मौसम बताते हैं।

अप्रैल से जून के बीच होने वाली बारिश जलजनित, मच्छरजनित और सांस संबंधी रोगों को जन्म देती है। हेल्थ एंड फिटनेस एक्सपर्ट का कहना है कि इस मौसम में सतर्क रहना और सही बचाव, उपाय अपनाना बेहद जरूरी है, वरना मामूली सी लापरवाही गंभीर बीमारियों में बदल सकती है। बारिश के कारण नालियों का ओवरफ्लो और जलभराव आम बात है, जिससे पीने का पानी तक दूषित हो सकता है। इसके चलते हैजा, टायफाइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं।

उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं

हेल्थ एंड फिटनेस एक्सपर्ट मुकेश राणा कहते हैं कि लोगों को चाहिए कि वे उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं और सडक़ किनारे मिलने वाले खुले भोजन से बचें। प्री-मानसून का मौसम भले ही सुकून दे, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए कई खतरे लेकर आता है। ऐसे में सावधानी ही सुरक्षा है। स्थानीय प्रशासन और आम जनता दोनों को मिलकर इस मौसम में सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि मौसम की ये खूबसूरत बारिश बीमारियों की वजह न बन पाए। मच्छरों का प्रकोप भी होता है दोगुना प्री-मानसून बारिश के बाद जमा हुए पानी में मच्छर तेजी से पनपते हैं। इससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के केस हर साल बढ़ जाते हैं। छतों पर, कूलरों में और घर के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। मच्छरदानी और मच्छररोधी क्रीम का उपयोग करें। सांस संबंधी और त्वचा रोग भी लेते हैं जोरनमी और तापमान में उतार-चढ़ाव से सर्दी, खांसी, फ्लू और निमोनिया जैसे संक्रमण आम हो जाते हैं। वहीं, भीगने के बाद शरीर को ठीक से न सुखाने पर फंगल संक्रमण और खुजली जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। विशेषज्ञों की मानें तो गीले कपड़े तुरंत बदलना, साफ-सफाई बनाए रखना और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले आहार लेना इस मौसम में बेहद जरूरी है।

क्या करें, क्या न करें

उबला या फ़िल्टर किया हुआ पानी पिएं। शरीर को गीला न रखें, बारिश में भीगने के बाद कपड़े बदलें। घर और आसपास जलभराव न होने दें। मच्छरदानी और मॉस्कीटो रिपेलेंट का उपयोग करें।

टीकाकरण कराएं (जैसे फ्लू वैक्सीन)। खुले में बिकने वाला खाना न खाएं।

खबर संक्षेप

सदानंद स्कूल में सोनम प्रथम

पानीपत। सदानंद बाल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सत्र कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ परिणाम देकर स्कूल को गौरवान्वित किया। विद्यालय के 10वीं कक्षा के कुल 34 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। विद्यालय का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम में प्रथम सोनम (472), द्वितीय ट्विंकल (461) और खुशी (460) तृतीय स्थान पर रहे। 11 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। प्रिंसिपल सुधा रानी ने पास हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

घर से 12 लाख के जेवर चोरी

पानीपत। पानीपत शहर के जाटल रोड स्थित सतबीर सिंह वत्स के घर से चोर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी शिकायत में सतबीर सिंह वत्स ने बताया कि वे थर्मल से रिटायर हुए है और उनके घर में चोरों ने छत के रास्ते से चोरी कर ली। इधर, चोर उनके घर से करीब 12 लाख रुपये कीमत के जेवर चोरी कर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरी के इस बडे मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव मांडी में विवाहिता लापता, केस दर्ज

इसराना। पानीपत के गांव मांडी में किसान के खेत में बने मकान में निवास कर रहे इमरान पुत्र शमसुद्दीन मूल निवासी गांव रामड़ा जिला पानीपत की 38 वर्षीय पत्नी लापता हो गई। इमरान ने अपनी पत्नी की हर संभावित स्थल पर तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इधर, इमरान की शिकायत पर थाना इसराना पुलिस ने केस दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है।

12 किलो चांदी का चोर पकड़ा

पानीपत। थाना शहर पुलिस टीम ने हलवाई हट्टा सुभाष बाजार में ज्वेलर्स की दुकान करने वाले राकेश की शॉप से 10 लाख रुपये कीमत की 12 किलो चांदी चोरी कर भागे आरोपी कारीगर आजाद पुत्र हरिशंकर निवासी गांव पोस्ट जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। थाना शहर प्रभारी कुलदीप ने बताया कि पुलिस ने आरोपी आजाद के कब्जे से पांच किलो चांदी बरामद की है।

आर्य स्कूल ने खेलों में मेडल जीते

पानीपत। खेलों इंडिया यूथ गेम्स बिहार पटना में आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल की दीपिका ने 400 मीटर रेस में 56.66 सेकंड में दूसरा स्थान प्राप्त किया। मन्नत फोगाट ने डीक्स्स थ्रो में अच्छा प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं 400 मीटर रिले रेस में हरियाणा की टीम ने जीती। इस जीत में दीपिका ने अहम योगदान के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं विद्यालय की छात्रा गरिमा ने बास्केटबाल में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

जैन किड्स स्कूल में हिंदी प्रदर्शनी आयोजित

पानीपत। जैन किड्स स्कूल में हिंदी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विभिन्न परियोजनाओं, कविताओं, कहानियों, नाटकों और हिंदी साहित्य से जुड़ी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका सहगल ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और यह हमारे देश की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों को अपनी भाषा के प्रति गर्व और सम्मान की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित करना है।

गुर्जरों ने आंदोलन की चेतावनी दी

पानीपत। राष्ट्रीय गुर्जर महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र गुर्जर ने स्काईलार्क में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि समालखा के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर के साथ ईडी के अधिकारी द्वारा किया गया अभ्रद व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छौक्कर के साथ अभ्रद व्यवहार करने वाले ईडी के अधिकारी पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर सेठपाल पहलवान, जिले सिंह, नरेंद्र, प्रवीण तोमर, बाबूराम, राजसिंह सुताना, छौक्कर खाप से राजकुमार छौक्कर आदि मौजूद रहे।

विद्यालय और गांव ही नहीं पूरे जिले में खुशी की लहर

सरस्वती स्कूल पानीपत की छात्रा रिंकू हरियाणा में दूसरे स्थान पर रही

- रिंकू ने कक्षा दसवीं में 496 नंबर प्राप्त कि, अंग्रेजी, गणित व शारीरिक विज्ञान में शत

हरिभूमि न्यूज ⏭ इसराना

पानीपत के गांव बुआना लाखु स्थित सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा रिंकू पुत्री सुरेश ने दसवीं की परीक्षा में 496 अंक लेकर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जिससे विद्यालय और गांव ही नहीं पूरे जिले में खुशी की लहर है। छात्रा रिंकू ने अंग्रेजी गणित और शारीरिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं। ग्रामीणों ने उसकी इस उपलब्धि पर गर्व जताया है। बता दें रिंकू के पिता एक साधारण किसान हैं और गांव में कॉमन सर्विस सेंटर चलाते हैं। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य राजवीर सिंह, उप प्रधानाचार्य श्री भगवान व समस्त स्टाफ ने रिंकू उसके परिवार को बधाई दी है ।

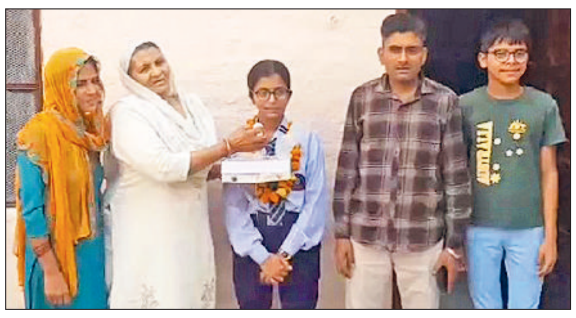

पानीपत। हरियाणा में 10वीं कक्षा पास करने में दूसरे नंबर आई रिंकू को उसके परिजन मिठाई खिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

सनराइज स्कूल का रिजल्ट रहा शतप्रतिशत

पानीपत। सनराइज पब्लिक स्कूल सोंधापुर का 10वीं कक्षा का बोर्ड रिजल्ट शतप्रतिशत रहा। वहीं, 19 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किये। जबकि 51 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। इधर, खुशी पुत्री भीम सिंह 488 अंकों के साथ क्षेत्र में प्रथम, कृष पुत्र पंकज 486 अंकों के साथ द्वितीय व अंजलि ने 483 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। इधर, अंजलि ने 479 आयुषी ने 474 मंजू ने 473, भावना 471 पायल ने 470, तनवी ने 469, अन्नू ने 466 प्राची ने 464, ज्योति ने 461, मीनाक्षी ने 458, मानसी ने 458 ,अभिषेक ने 456, सलोनी ने 454, स्वीटी ने 453, लव ने 449 अंक प्राप्त किए। प्रिंसिपल रोहतास टूर्ण व चेयरमैन कमल भाटिया और स्कूल स्टाफ ने उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को मिठाई खिला कर बुधाई व उज्ज्वल भविष्य का अशीर्वाद दिया।

शिक्षा इंसान की तरक्की की राह

पानीपत। महाराणा प्रताप हाई स्कूल ददलाना की मेधावी छात्राए। फोटो :हरिभूमि

पानीपत। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को दसवीं का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप हाई स्कूल गांव ददलाना का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसको लेकर बच्चों और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय के मुख्याध्यापक बृजमोहन शर्मा ने बताया कि शिक्षा इंसान की तरक्की की सशक्त रहा है। वहीं इस वर्ष विद्यालय में कुल 28 बच्चों ने परीक्षा दी जिसमें से 8 बच्चों ने मैरिट प्राप्त की है। मुख्याध्यापक बृजमोहन शर्मा ने बताया कि महक शर्मा ने 455 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान, ज्योति ने 451 अंक लेकर द्वितीय और काजल ने 500 अंकों में से 431 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया है। संजना ने 430 अंक, ऋषभ ने 410 अंक, सारिका और अंजलि ने 408 अंक, गुलशन आरा ने 406 अंक प्राप्त कर मैरिट हासिल की है। बाकी सभी बच्चों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रबंधक गोपीचंद शर्मा ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

आर्य कॉलेज में हेल्प डेक्स का टीचर्स के साथ चर्चा करते हुए विद्यार्थी फोटो: हरिभूमि

आर्य कॉलेज में नए विद्यार्थियों के लिए हेल्प डेस्क बनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

- युवाओं का प्रोफेशनल कोर्सेज की तरफ रुझान ज्यादा : डॉ.गुप्ता

आर्य पीजी कॉलेज में शनिवार से हेल्प डेस्क की शुरुआत हो गई है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा बोर्ड के व सीबीएसई बोर्ड ने भी बारहवीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। बाहरवीं कक्षा के परिणाम विद्यार्थियों के लिए बहुत ही शानदार रहे हैं, और अब विद्यार्थी देश के अलग-अलग विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया में लेगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य को लेकर यह चिंता रहती है कि वह बाहरवीं के बाद क्या करेंगे और कैसे ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे ऐसी कई समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की सहायता के लिए आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालय में हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई है। हेल्प डेस्क विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के लिए खुला रहेगा। जिसमें कॉलेज के प्राध्यापक, जानकारी लेने आने वाले विद्यार्थियों को कॉलेज में चल रहे अलग-अलग कोर्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं, और साथ ही यह भी बता रहे हैं कि किस कोर्स के करने के बाद युवा अपना भविष्य किस क्षेत्र में बना सकते हैं। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि शनिवार को लगभग 60 विद्यार्थी ऐसे आए जो यह जानना चाह रहे थे कि आर्य कॉलेज में जो प्रोफेशनल कोर्स चल रहे हैं, कैसे वो कोर्स हमारे भविष्य के लिए अच्छे साबित हो सकते हैं। डॉ. गुप्ता ने यह भी बताया कि अबकी बार विद्यार्थियों का ज्यादा रुझान पारंपरिक कोर्सों की बजाए प्रोफेशनल कोर्सों की तरफ ज्यादा है।

गुरू अर्जन देव को शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि दी

- गुरु अर्जन देव जी ने सिख धर्म को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब माडल टाऊन में पांचवें गुरु शहीदों के सिरताज श्री अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर संगत द्वारा किए जा रहे श्री सुखमणि साहिब के पाठ 26वें दिन में प्रवेश कर गए। गुरुद्वारा साहिब में हर रोज धार्मिक दिवान सजाए जाते है, जिसमें भाई गुरमुख सिंह गुरबाणी कीर्तन करके संगत को गुरु चरणों के साथ जोड़ते है। शनिवार को श्री सुखमणि साहिब के पाठ व प्रसाद की सेवा अनिल कपूर परिवार की तरफ से की गई।

गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब गुरू अर्जन देव जी को नमन करते हुए श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

कमेटी प्रधान जगतार सिंह ने श्री अर्जुन देव के जीवन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुरु अर्जन देव जी ने सिख धर्म को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने आदि ग्रंथ का संपादन किया, जो सिख धर्म का पवित्र ग्रंथ है। उन्होंने हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुरु अर्जन देव जी को मुगल बादशाह जहांगीर ने झूठे आरोप लगाकर फांसी पर चढ़वा दिया था, क्योंकि जहांगीर को गुरु अर्जन देव जी की धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों से परेशानी थी। इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी प्रधान जगतार सिंह बिल्ला, तिलक चौपडा, ग्राम सिंह, रुबी कौर, मनजीत कौर, कनिका अरोडा, सीमा रानी, सरोज तारा, रितू अरोडा, नेहा मनचंदा, कशीश मल्होत्रा, हरकृष्ण समेत बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जागरूकता से ही आपदा से बचा जा सकता है

पानीपत। रेडक्रास के शिविर में प्रशिक्षण देते हुए प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत रेडक्रास सचिव गौरव राम करण की अगुवाई में रेडक्रास भवन में प्राथमिक सहायता, गृह परिचर्या का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 55 प्रशिक्षुओं को प्राथमिक सहायता व आपदा प्रबंधन बारे जागरूक किया गया। वहीं, हरमेश चन्द जिला प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा युवाओं प्रेरित करते हुये बताया कि आपदा प्रबंधन में प्राथमिक सहायता को अहम रोल है। जागरूकता से ही आपदा से बचा जा सकता है। इस दौरान प्राथमिक सहायता प्रवक्ता कला भारद्वाज व सोनिया शर्मा ने प्रतिभागियों को बेहोशी के दौरान उपचार मिर्गी के दौरा पड़ने पर रोगी की सहायता तथा संदीप रत्तेवाल ने प्रतिभागियों को जलने झुलसने के कारणों व बचाव, गले में कोई वस्तु फंस जाये तो उसे कैसे निबटें के बारे जानकारी प्रदान की गई।

बेजुबान पक्षियों को मौसम आदि की मार से बचाने में काफी मददगार साबित होंगे

सैनी सेवा ट्रस्ट ने पक्षियों के लिए घोंसलें लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

समाज सेवा में जुटी सैनी सेवा ट्रस्ट गांव देहरा ने एक अनोखी पहल करते हुए कृत्रिम घोंसले के तौर पर परिंदों के लिए विभिन्न स्थानों पर 225 बसेरों की व्यवस्था की है, जो बेजुबान पक्षियों को मौसम आदि की मार से बचाने में काफी मददगार साबित होंगे। इस सराहनीय कार्य के सूत्रधार बने राजस्व विभाग के कानूनगो नवीन सिंहमार शेखपुरा ने कहा कि मौजूदा दौर में परिंदों के लिए प्राकृतिक घोंसलों से लेकर जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, शिकार और बीमारियां आदि के तौर पर परेशानियां की भारी भरमार है। ऐसे में इनके संरक्षण के लिए आगे आना भी मानव का पहला कर्तव्य है। इस अवसर पर अंबेडकर युवा सेवा समिति शाहजहानपुर ध्याना के चेयरमैन धर्मवीर दहिया, ट्रस्ट के संस्थापक करण सिंह सैनी, ट्रस्ट की अध्यक्षा माया देवी, बीर सिंह उर्फ बीरू, सन्नी उर्फ सोनू, परमाल सिंह, रामफल सैनी , मोहन लाल सैनी, सोहन लाल, अनिल, ठेकेदार राकेश कुमासपुर, मदन रोहतक, अशोक, सुनील, भूप सिंह, राजवीर, हर्ष चहल, नवीन चौहान, सुरजीत, वीरेंद्र, पंकज व हिमांशु आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सैनी सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारीगण पक्षियों के लिए बसेरों की व्यवस्था करते हुए।

युवती लापता, लव जिहाद की आशंका

पानीपत। पानीपत शहर की एक कॉलोनी से एक युवक, 20 वर्षीय युवती को बहला फुसला का अपने सथ ले गया। इधर, युवती के परिजनों ने पुलिस को शिकायत देकर आशंका जताई है कि युवक ने लव जिहाद के लिए उनकी बेटी को बहलाया है। अब उनकी बेटी उसके कब्जे में है, वह उसका धर्म परिवर्तन भी करवा सकता है। वहीं थाना तहसील कैंप पुलिस ने मामले में शिकायत मिलने पर गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। तहसील कैंप थाना पुलिस को दी शिकायत में एक पिता ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ फैक्ट्री में मजदूरी करता है। उसकी बेटी 20 साल की है। जोकि अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अब घर पर रहती है। 15 मई को पति-पत्नी काम से फैक्ट्री चले गए थे। जब वे वापस लौटे तो बेटी घर से गायब मिली। जांच-पड़ताल के दौरान पता लगा कि उनके फैक्ट्री जाने के बाद बेटी सुबह करीब साढ़े 11 बजे अपने सभी ऑरिजनल दस्तावेज व कपड़े लेकर चली गई थी। पिता ने बताया कि उसकी बेटी को एक नंबर से कॉल आई थी। जिसके बाद ही वह घर छोड़कर गई है। उक्त नंबर पर परिजनों ने कॉल की तो वह स्विच ऑफ मिला। परिवार ने उसे खूब ढूंढा, लेकिन वह नहीं मिली। परिजनों का आरोप है कि लड़का उनकी बेटी को लव जिहाद के चलते बहला-फुसला कर ले गया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि युवक उनकी बेटी का धर्म परिवर्तन न करवा दें। इसलिए दोनों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए, ताकि कोई अनहोनी न हो सके।

न्यूज डायरी

बिजली कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया

इसराना। पानीपत के इसराना में अखिल हरियाणा पावर कॉर्पोरेशन वर्कर यूनियन की बैठक हुई। बैठक में नौ जुलाई को होने वाली प्रस्तावित हड़ताल पर विस्तृत चर्चा हुई। वहीं बिजली कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में केंद्र व प्रदेश सरकारों के खिलाफ प्रदर्शन किया। इधर, सब यूनिट प्रधान धर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में यूनियन अध्यक्ष देवेंद्र हुड्डा मुख्य वक्ता थे। हुड्डा ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने श्रम कानूनों के कार्यान्वयन, काम के घंटों में वृद्धि और ट्रेड यूनियन अधिकारों पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों का विरोध किया। हुड्डा ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के हितों की अनदेखी कर रही है। साथ ही उन पर अनावश्यक कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं, बैठक में सोमपाल, अमित, महिपाल, कपिल, कटार सिंह, प्रमोद शर्मा, जितेंद्र सैनी, विनोद कुमार, शिव कुमार और दलबीर सिंह समेत कई नेताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने कर्मचारियों से एकजुट होकर प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने का आग्रह किया।

11 बच्चियों को बाल सुधार गृह भेजा

पानीपत। मानव तस्करी विरोधी इकाई ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी संगठन एमडीडी ऑफ इंडिया के साथ संयुक्त रूप से बच्चों से जबरन भिक्षावृत्ति, बाल श्रम और बाल तस्करी के खिलाफ कलंदर पीर दरगाह, देवी मंदिर, किला थाना क्षेत्र में एक जागरूकता अभियान चलाया जिसमें आसपास के दुकानदारों, खरीदारों, राहगीरों और फैक्ट्री मालिकों को छोटे बच्चों से जबरन भिक्षावृत्ति, उनसे काम कराने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिक यूनिट या एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था को सूचित करने की अपील की गई और देवी मंदिर, कलंदर पीर दरगाह, बस स्टैंड पर भीख मांगती 11 बच्चियों को बाल कल्याण समिति में पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया।

हार्मोनी होम्स 15 घंटे अंधेरे में डूबा रहा

पानीपत। हार्मोनी होम्स सोसायटी में वीरवार की रात करीब 11 बजे बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। वहीं सेसायटी निवासियों ने बिजली की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। शुक्रवार दोपहर तीन बजे बिजली की आपूर्ति सुचारू हुई। करीब पंद्रह घंटे बिजली न होने के चलते पूरी सोसायटी में हाहाकार मच गया था। बाद में उपायुक्त वीरेंद्र दहिया द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद बिजली चालू हो पाई थी। इसके चंद घंटों के बाद बीती रात करीब साढे दस बजे फिर से बिजली काट दी गई। इसे लेकर लोगों में रोष पैदा हो गया और वे सोसायटी परिसर में एकत्रित हो गए। लोगों ने सोसायटी मैनेजमेंट, मेंटेनेंस विभाग और बिल्डर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

एमपी के डिप्टी सीएम व मंत्री का बायकाट हो : डंग

पानीपत। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेशाध्यक्ष गुलशन डंग ने नेताओं द्वारा बार-बार किए जा रहे सेना के अपमान एवं देश विरोधी ब्यानों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि गत दिनों देश को गौरवांवित करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए अपमानजनक ब्यान के बाद मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा सेना को अपमानित करने वाली टिप्पणी की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। गुलशन डंग ने कहा कि चाहें कोई भी राजनीतिक दल हो उन्होंने देश विरोधी व सेना का अपमान करने वाले अपने मंत्रियों एवं पदाधिकारियों पर लगाम कसनी चाहिए और तुरंत प्रभाव से सरकार व पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।

कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 मई को

कुरुक्षेत्र। जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 मई को सुबह 11 बजे नए लघु सचिवालय के सभागार में होगी। इस बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर करेंगे। उपायुक्त नेहा सिंह ने आज यहां जारी आदेशों में कहा है कि सभी अधिकारी जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में निर्धारित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर | दुनिया ने देखा भारतीय सेना का शौर्य: ढांडा

यात्रा का शुभारंभ गांव के सरकारी स्कूल से हुआ

काबडी गांव में शिक्षा मंत्री के साथ ग्रामीणों ने निकाली तिरंगा यात्रा

- विद्यार्थियों ने एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली, जिसमें देशभक्ति का अद्भुत उत्साह देखने को मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

भारतीय सेना द्वारा हाल ही में सफलतापूर्वक किए गए ऑपरेशन सिंदूर की गूंज पूरे देशभर में सुनाई दे रही है। इस ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की सफलता के उपलक्ष्य में हर नगर, कस्बे और गांव में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गांव काबड़ी के ग्रामीणों और विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली, जिसमें देशभक्ति का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। यात्रा का शुभारंभ गांव के सरकारी स्कूल से हुआ, जहां ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों और स्कूली विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों के साथ पैदल मार्च किया।

पानीपत। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के साथ विद्यार्थी व अध्यापकगण तिरंगा लहराते हुए फोटो : हरिभूमि

वहीं, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने तिरंगा यात्रा में भाग लेकर ग्रामीणों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, जबकि पाकिस्तान, वर्षों से भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देता आया था। सेना की इस ऐतिहासिक कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि भारत ना केवल शांति प्रिय देश है, बल्कि अपनी रक्षा के लिए हर मोर्चे पर सक्षम और सशक्त है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल युद्धभूमि में ही नहीं, बल्कि पढ़ाई, खेल, विज्ञान, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके भी दिखाई जा सकती है। जिस प्रकार हमारे जवान सरहद पर देश की रक्षा कर रहे हैं, उसी तरह आप अपने ज्ञान और संस्कारों से देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर दिनेश सैनी, पूर्व मेयर अवनीत कौर भाजपा नेता आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गांव उगाला में सूने पड़े घर में चोरी, मामला दर्ज

बराड़ा। गांव उगाला में बीती रात को पेट्रोल पंप के पास बने एक घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर में रखे सामान पर हाथ साफ किया। पीड़ित सुरेंद्र पाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका घर पंप के पास है। रात को किसी ने उनके घर से बड़ा गेट, विंडो, ग्रिल सारी, वोडरी ग्रील 8 पीस सारी बिजली तारें , एक इनवर्टर, 4 पंखे एक मोटर स्टार्टर व कूलर सामान चुरा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अग्रवाल धर्मशाला में रक्तदान शिविर आज

बराड़ा। प्रयास समाज सेवा संस्थान की ओर से अग्रवाल धर्मशाला में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के प्रधान विशाल सिंगला ने बताया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर जारी तनाव के मद्देनजर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए इस कैंप का आयोजन करवाया जा रहा है। इस कैंप में डीएसपी सुरेश कुमार मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य सेना और नागरिक अस्पतालों में रक्त की संभावित आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पहले से रक्त की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर हमारे जवान देश की रक्षा में जुटे हैं।

23 को 12 बजे आयोजित होगा खुला दरबार

अंबाला। महाप्रबंधक दूरसंचार के सहायक महाप्रबंधक (प्रचालन) ने बताया कि अंबाला दूरसंचार जिले के अन्तर्गत आने वाले सभी दूरभाष केंद्रों के उपभोक्ताओं की टेलीफोन सेवाओं से संबंधित शिकायतों/विवादों की सुनवाई तथा शिकायतों को यथासंभव तुरन्त निपटाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टेलीफोन अदालत तथा खुला दरबार का आयोजन 23 मई 2025 दिन शुक्रवार को 12:00 बजे कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार में किया जाएगा। इस अदालत मे उपभोक्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा महाप्रबंधक दूरसंचार द्वारा किया जाएगा।

किसानों को अनुदान पर मिलेगा ढैंचे का बीज

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. जसविन्द्र सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जिला में फसल विविधिकरण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भूमि की उर्वकता बनाए रखने व हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए उंचा के प्रदर्शन प्लाटों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 2160 क्विंटल ढैंचे का बीज 80 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। एक एकड़ हेतू 12 किलोग्राम बीज व एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ प्राप्त कर सकता है। इच्छुक किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

दो आरोपी गिरफ्तार बाइक की बरामद

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी शाहरूख खान व आकाश नि को गिरफ्तार किया है। यमुनानगर जिले के आमवाला के सतीश कुमार ने 15 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 5 मार्च 2024 को कुराली से किसी आरोपी ने उसकी बाइक चोरी की है।

सीएससी का स्टेट हैड ने किय मुआयना

अंबाला। कॉमन सर्विस सेटरों में किए जा रहे कार्यों की वास्तविकता जांचने के दृष्टिगत सीएससी के स्टेट हैड आशीष शर्मा ने कई सेंटरों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने सेंटरों पर रेट लिस्ट जांचने के साथ दूसरी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ स्टेट मैनेजर नरेंद्र सिंह, रवि कुमार व जिला के डिसट्रिक्ट मैनेजर विवेक शर्मा मौजूद रहे।

कला संकाय में दिव्या टॉपर संभव सिंह दूसरे स्थान पर

कक्षा 12 में 500 में से 439 अंक प्राप्त किए, संभव सिंह को 421 अंक मिले

■ कक्षा दसवी में तमन्ना ने 500 में से 420 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तो मनदीप सिंह ने 404 अंक लेकर द्वितीय स्थान हासिल किया व 383 अंको के साथ वंश तृतीय रहा

अंबाला। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी स्टाफ के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का कक्षा 10 वीं और 12 वीं का परीक्षा परिणाम शानदार रहा।

कक्षा 12 वीं में आट्र्स संकाय में दिव्या रानी ने टॉप किया और 500 में से 439 अंक प्राप्त किए, संभव सिंह 421 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे तो सलोनी 370 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं कॉमर्स संकाय में कार्तिक ने 346 अंक प्राप्त कर पहला स्थान पाया तो हिमानी 321 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही, वहीं दीपक 307 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सांइस संकाय की बात करें तो साइंस में आर्यन भयान 421 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहा तो आदि जैन ने 407 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया व नैना 404 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा दसवी की छात्रा तमन्ना ने 500 में से 420 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तो मनदीप सिंह ने 404 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया व 383 अंक प्राप्त कर वंश तीसरे स्थान पर रहा।

प्राचार्या ने दी बधाई

प्रिंसीपल मंजू बाला ने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों व स्कूल स्टाफ को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी।

ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की वैधता बढ़ने से टैक्सी ऑपरेटरों के चेहरे खिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

■ टैक्सी ऑपरेटरों ने परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंचकर उनका जताया आभार

परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास पर शनिवार को पहुंचे हरियाणा टैक्सी ऑपरेटरों ने उनका धन्यवाद जताया। ऑपरेटरों ने खुशी जताते हुए कहा कि परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से हरियाणा में वाहनों के 'ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट' की वैधता अवधि नौ साल से बढ़ाकर 12 साल तक कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के हजारों टैक्सी चालकों को लाभ मिला है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही टैक्सी ऑपरेटरों ने अपनी मांग परिवहन मंत्री के समक्ष रखी थी। मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑपरेटरों को राहत दी।

मंत्री ने सुनी समस्याएं

इस दौरान विज ने छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुनकर कार्रवाई के आदेश भी दिए। घसीटपुर की विवाहिता के परिजनों ने शिकायत दी कि उसका पति विवाहिता से झगड़ा करता है। उसे घर से निकाल दिया है। मंत्री ने इस पर पुलिस को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए। दलीपगढ़ के व्यक्ति ने क्षेत्र में गली का लेवल सही कराने की शिकायत दी जिस पर नगर परिषद ईओ को कार्रवाई के निर्देश दिए। बब्याल के लोगों ने क्षेत्र में नालियों की मरम्मत कराने की शिकायत दी। इसी प्रकार बोह में नाली और गली की मरम्मत कराने, कच्चा बाजार की महिला ने मीटर रीडिंग ठीक कराने एवं अन्य शिकायतें आई जिन पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री का कारोबारियों ने जताया आभार

■ इंडस्ट्रियल एरिया में चार दीवारी की मंजूरी दिलाने पर जताया आभार

अंबाला। अंबाला छावनी में एचएसआईआईडीसी इंडसट्रियल एरिया एसोसिएशन के सदस्यों ने शनिवार को परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंच इंडसट्रियल एरिया में चार दीवारी को मंजूरी दिलाने पर उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार जताया। एसोसिएशन के सदस्यों ने इस दौरान कहा कि मंत्री अनिल विज के प्रयासों से इंडसट्रियल एरिया को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्री को बचाने के लिए मंत्री अनिल विज ने अथक प्रयास किए जोकि अब रंग ला रहे हैं।

बाढ़ के पानी से होगी सुरक्षा: उन्होंने कहा कि दीवार के बनने से उनकी इंडस्ट्री को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। एसोसिएशन सदस्यों ने यह भी कहा कि छावनी पहले विकास के मामले में अछूता रहा है।

पीर की चौकी भरने निकली थी महिला, जंगल से मिला शव

■ दो दिन से लापता थी महिला, परिजन अपने स्तर पर कर रहे थे जांच, पुलिस बोली जल्द हत्यारे होंगे काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पीर की चौकी भरने गई दुखेड़ी की 67 वर्षीय शांति देवी की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया। परिजन 15 मई से लापता महिला की तलाश कर रहे थे। 16 मई को सूचना मिलने के बाद जंगल में पहुंचे तो शव का चेहरा व उंगली क्षत-विक्षत थी। परिजनों ने कपड़ों व पास मिले सामान व घर की चाबी से शिनाख्त की। साहा पुलिस ने हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शनिवार को मृतका का अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉक्टर की रिपोर्ट के बाद ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मृतका के बेटे संजीव कुमार ने बताया कि वह पांच बहन व भाई हैं। माता शांति देवी 15 मई को दोपहर 2 बजे घर से संभालखा गांव में पीर की चौकी भरने के लिए गई थी। चाचा का लड़का चुडियाली वासी अभिमन्यु बाइक पर छोड़कर आया था। माता वापस नहीं लौटीं थी तो तलाश कर रहे थे। जंगल में मिले शव के पास से माता के कमरे की चाबी, कान से सुनने की मशीन, चश्मा वा दांतों का नकली जबड़ा भी पडा हुआ था। साहा पुलिस थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

नन्हे छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मचाई धूम

डीएवी स्कूल में रेड डे मनाया, माताओं का तिलककर का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

डीएवी स्कूल में रेड डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और भावनात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल में पधारी सभी माताओं का तिलक कर सम्मान करते हुए की गई। नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी माताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि कुछ माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर नृत्य प्रस्तुत किया। कुछ ने बच्चों के साथ कैटवॉक किया। कुछ माताओं ने स्नेह भरी लोरियां गाकर सभी का दिल जीत लिया। इसी के साथ कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों ने रेड डे मनाया। सभी बच्चे लाल रंग के परिधान पहनकर आए और स्कूल परिसर को लाल रंग के गुब्बारों एवं सजावटी वस्तुओं से सजाया गया। प्राचार्या सुनीता कपूर ने मातृ दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि मां ही बच्चे की प्रथम गुरु, मार्गदर्शक और संरक्षक होती है। उन्होंने रेड डे के संदर्भ में लाल रंग के महत्व को भी रेखांकित किया जो ऊर्जा स्वास्थ्य और आनंद का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन नर्सरी विंग की कोऑर्डिनेटर शालू गुप्ता, नीरू शर्मा, वंदना, अर्चना, नीलम, परवीन एवं अनुराधा द्वारा किया गया।

मुलाना थाना प्रभारी ने संभाला कार्यभार

■ महिला सुरक्षा, नशे के खिलाफ अभियान और साइबर अपराध पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

मुलााना। नए थाना प्रभारी महेंद्र सिंह

मुलाना थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में महेंद्र सिंह ने विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया और सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने थाना स्टाफ को अनुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों की रोकथाम करना और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, नशे के खिलाफ अभियान और साइबर अपराध पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने आमजन से पुलिस को सहयोग देने की अपील की और कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की परेशानी या शिकायत होने पर सीधे थाना आकर निःसंकोच मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के लिए क्षेत्र में कोई जगह नहीं होगी।

खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीतने वाली हरनूर को किया सम्मानित

अंबाला। खिलाड़ी हरनूर को आशीर्वाद देते मंत्री अनिल विज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 में बॉक्सिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली अंबाला छावनी के शाहपुर की महिला मुक्केबाज हरनूर कौर को पदक पहनाते हुए उसे सम्मानित किया। विज ने हरनूर कौर से बातचीत की। उसे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पटना में हुई थी प्रतियोगिता: उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में कई सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा अंबाला छावनी में भी खेलों का ढांचा सुदृढ़ किया गया है जिससे छावनी के खिलाड़ी अब विश्व पटल पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इस अवसर पर हरनूर के माता-पिता भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुक्केबाज हरनूर कौर ने गत दिनों पटना में संपन्न हुई खेलों इंडिया यूथ गेम्स में बाक्सिंग स्पर्धा में 65 किलोवर्ग में कांस्य पदक जीता था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

स्पेशल कोर्ट में रोज हो रही है नशा तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई, 900 केसों पर होगी सुनवाई

अंबाला। नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों की सुनवाई अब स्पेशल कोर्ट में होगी। यहां रोज करीब 20 से 25 मामलों की सुनवाई हो रही है। नशे के बढ़ते मामलों को देखते हुए एनडीपीएस की विशेष अदालत के गठन का निर्णय लिया था। 28 अप्रैल से कोर्ट में मामलों की सुनवाई चल रही है। अभी तक यहां 900 मामले सुनवाई के लिए आ चुके हैं। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट बनने से पहले नशा तस्करी से संबंधित मामलों की सुनवाई अलग- अलग थाना क्षेत्र से संबंधित कोर्ट में होती थी। इससे अन्य मामलों के कारण समय भी अधिक लगता था। इसके साथ मामलों की सुनवाई भी देरी से होती थी।

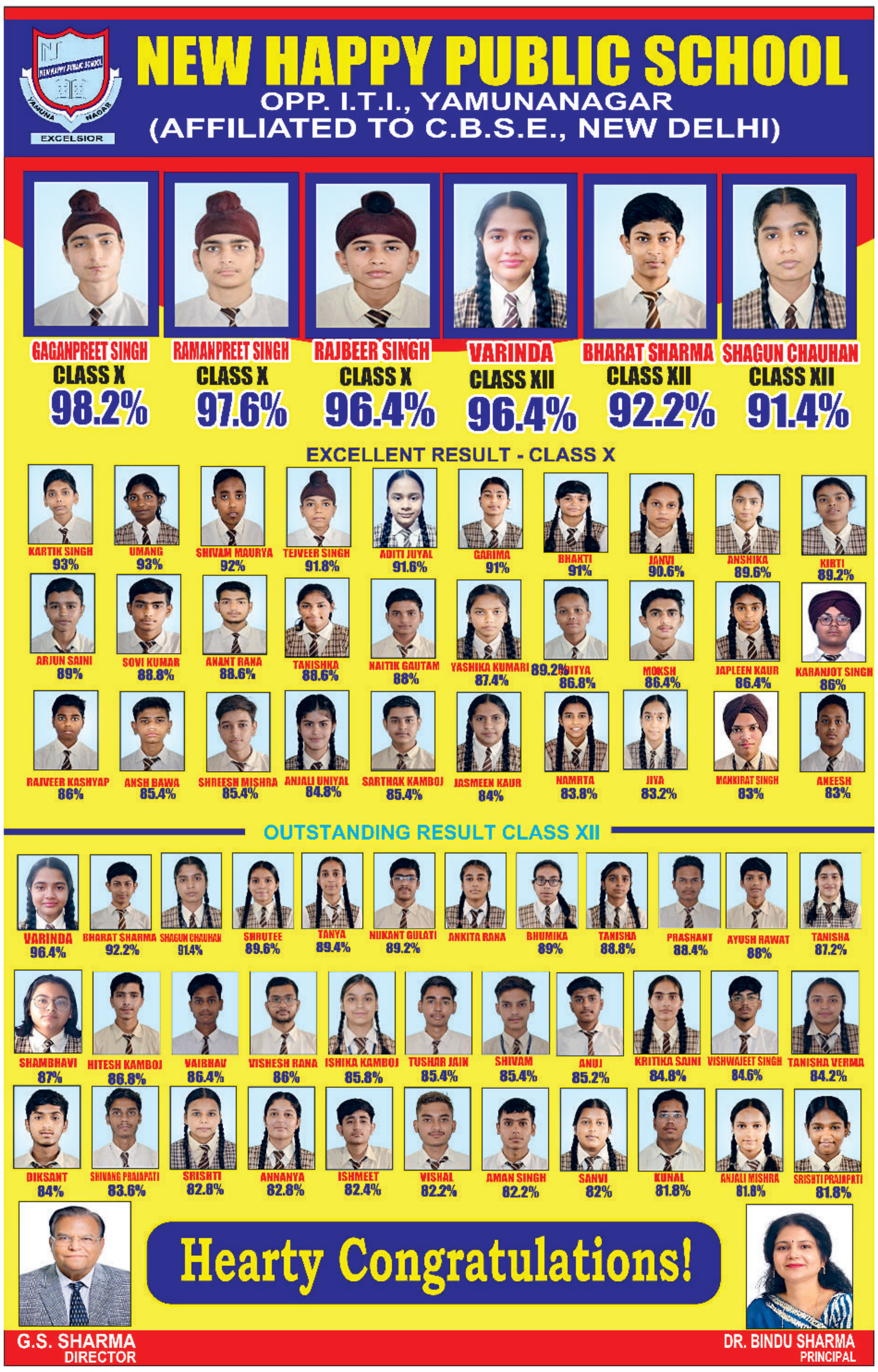

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

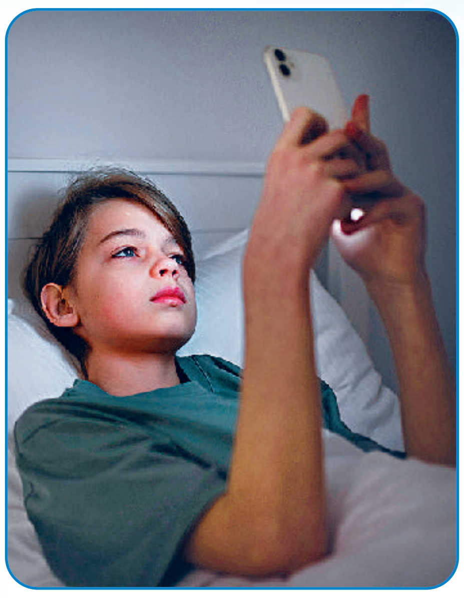

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

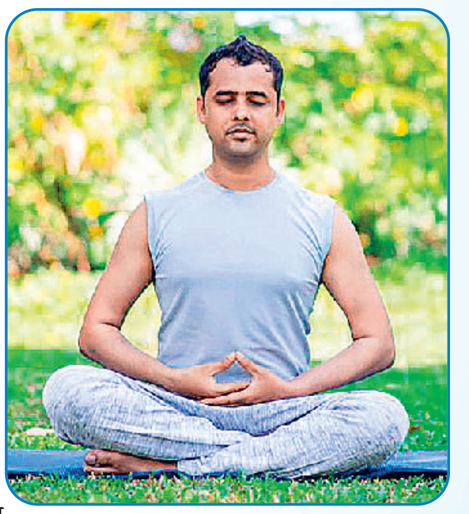

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही
प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आंसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेबिल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अक्सर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अक्सर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धीमी - धीमी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

मुकेश तिवारी

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

आशुतोष राणा

बॉबी देओल

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।